विजय माला में आना है तो ..

1) दिल से कहो मेरा बाबा, मीठे बाबा, शुक्रिया बाबा।
2) संगठन में शामिल होना है।
3) सुनी सुनाई बातों पर ध्यान नहीं देना है।
4) स्वप्न में भी पवित्र जरूर बनना है।
5) सदा सत्य बोलना है।
6) लक्ष्मी नारायण का लक्ष्य सामने रखना है।
7) अपने अच्छे-अच्छे अनुभव औरों को सुनाना है।
8) एकान्त में बैठ शिव बाबा से बातें करनी है।
9) स्वयं को मालिक नहीं, ट्रस्टी बनाना है।
10) अपनी कमियों को बड़ों को बताना है।
11) सदा श्रेष्ठ संग में रहना है।
12) समस्या स्वरूप नहीं समाधान स्वरूप बनना है।
13) शिक्षा देने के साथ क्षमाशील भी बनना है।
14) ईश्वरीय याद में भोजन खाना व खिलाना है।
15) नई दुनिया से दिल लगाना है।
16) धीरज, शान्ति, प्रेम तीन टैबलेट रोज खाना है।
17) वाणी को मीठा बनाना है।
18) अपना सबकुछ यज्ञ सेवा में सफल करना है।
19) जन जन को ईश्वरीय सन्देश देना है।
20) हर चीज को प्रभु की अमानत समझना है।
21) प्राप्तियों का प्रसाद औरों को बांटना है।
22) निराकारी, निर्विकारी और निरंहकारी बनना है।
23) स्मृति में रहे कि मैं गाडली स्टूडेन्ट हूँ।
24) याद रखो मैं भगवान का लाडला बच्चा हूँ।
25) स्वयं को हीरो एक्टर समझ पार्ट प्ले करना है।
26) बच्चों के साथ बच्चा बन एन्ज्वाय करना है।
27) विश्व को अपना परिवार समझना है।
28) सबसे प्यार से ओम् शान्ति जरूर करना है।
29) रोज दो बार ज्ञान स्नान जरूर करना है।
30) अपनी कमियों का चार्ट चेक कर, स्वयं को चेन्ज करना है।
31) ब्राह्मण जीवन के बचपन को याद करना है।
32) अपनी विशेषताओं को ईश्वरीय सेवा में लगाना है।
33) रोज बुद्धि से चारधाम की यात्रा करनी है।
34) प्यारा मधुबन सबको दिखाना है।
35) खुशी की गिफ्ट सबको बांटना है।
36) भगवान से दिल से बातें करनी है।
37) पांचों स्वरूपों की ड्रिल करनी है।
38) स्वमान की माला सवेरे-सवेरे घुमानी है।
39) ज्ञान मुरली सुनना व सुनाना है।
40) अपने धन की कमाई के बाबा को पार्टनर बनाना है।
41) बार-बार आत्म दर्शन करते रहना है।
42) सबको आबूतीर्थ की महिमा सुनानी है।
43) दूसरों की समस्या को समझ फैसला करना है।
44) मुझे जो कुछ मिला है उसमें सन्तुष्ट रहना है।
45) ईश्वरीय याद से जमा का खाता बढ़ाना है।
46) पांच तत्वों को भी सकाश देना है।
47) हरेक की भृकुटी के बीच सितारा देखना है।
48) अन्तर्मुखता का गुण धारण करना है।
49) नाम, मान, शान के नशे से दूर रहना है।
50) व्यर्थ, निगेटिव के विस्तार में नहीं जाना है।
51) फरिश्ता ड्रेस पहनकर घूमना है।
52) एक बार की भूल बार-बार न हो।
53) सतयुगी दुनिया में चक्र लगाना है।

विजय माला में आना है तो ..

54) सबको सम्मान देते जाना है।
55) मन और तन की स्वच्छता को भी जरूर अपनाना है।
56) मन के साथ शरीर की एक्सरसाइज भी करनी है।
57) अपना चेहरा दर्पण में देखना है।
58) सेकेण्ड में फुलस्टॉप लगाना है।
59) अमृतवेले बापदादा का हाथ मस्तक पर रखवाना है।
60) प्रकृति को सतोप्रधान बनाना है।
61) घर-घर में शिव ध्वज फहराना है।
62) रोज ॐ की ध्वनि भी लगाना है
63) डबल अहिंसक जरूर बनना है।
64) जो मिले उस पर सुख-शान्ति की गुलाल डालनी है।
65) बापदादा के साथ झूले में झूलना है।
66) किसी देहधारी से दिल नहीं लगाना है।
67) दिल से पतिव्रता बनना है।
68) शिवबाबा पर सम्पूर्ण समर्पण होना है।
69) चारों सब्जेक्ट में पास होना है।
70) कर्मयोगी जीवन वाला बनना है।
71) समय पर अपने अधिकारों का प्रयोग करना है।
72) पुराने संस्कारों का अग्नि संस्कार करना है।
73) अपनी जिम्मेवारी को अच्छी रीति निभाना है।
74) कदम-कदम पर शिवपिता की श्रीमत पर चलना है।
75) लौकिक को अलौकिक में बदलना है।
76) उतावलेपन में नहीं आना है।
77) ड्रामा की ढाल का सहारा लेना है।
78) विघ्नों को पेपर समझ पास होना है।
79) हर घण्टे में एक मिनट अशरीरी बनना है।
80) संकल्प करो पहले मुझे बदलना है।
81) आलराउण्ड सेवाधारी बनना है।
82) कुछ भी छिपाकर नहीं रखना है।
83) सेवा में नई-नई इन्वेन्शन करनी है।
84) परचिन्तन सुनना भी नहीं है।
85) गलत कार्य में सहयोगी नहीं बनना है।
86) सबको रुहानी स्नेह लुटाना है।
87) एक विशेषता का मास्टर बनना है।
88) हर कदम में बापदादा की मदद का अनुभव करना है।
89) क्वेश्चन की क्यू में खड़ा नहीं होना है।
90) हिम्मत कभी नहीं हारना है।
91) कर्मों की गुह्य गति को जान हर कर्म करना है।
92) बेहद के ब्राह्मण परिवार के नशे में रहना है।
93) बीती बातों को भुलाना है।
94) ज्ञान का विचार सागर मंथन करना है।
95) सुख अनेकों को देते जाना है।
96) ज्ञान के हीरे मोतियों का दान करना है।
97) सिर्फ वर्तमान का आनन्द लेना है।
98) सदा ईश्वरीय नियम व मर्यादाओं पर चलना है।
99) हरेक से गुण ग्रहण करते जाता है।
100) हर सीन में कल्याण ढूंढते रहना है।
101) सबसे दुआयें लेते जाना है।
102) मम्मा बाबा के चरित्र पढ़ते रहना है।
103) विशेष स्वमान का अभ्यास करना है।
104) शुभ संकल्पों का स्टॉक बढ़ाना है।
105) नये-नये ज्ञान के संगीत सुनते रहना है।
106) अमृतवेले प्रभु मिलन जरूर मनाना है।
107) जीवन के सुखद पलों को याद करना है।
108) बापदादा के अव्यक्त महावाक्य साधनों से सुनना व देखना है।